Drishti IAS

करेंट अफेयर्स बिहार

फरवरी (संग्रह)

2023

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

बिहार **3**

- पटना में होगा दक्षिण एशियाई महिला फिल्मोत्सव 3
- आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय होंगे बिहार हेल्थ यूनिवर्सिटी के नियंत्रण में 3
- नीतीश कुमार की बड़ी घोषणा, इस साल से मेडिकल व इंजीनियरिंगमें छात्राओं के लिये एक तिहाई सीट होगी रिजर्व 4
- राज्य के पहले वानिकी कॉलेज का उद्घाटन 4
- प्रो. सुधा सिन्हा को मिला कबीर कोहिनूर सम्मान 5
- देश के 112 आकांक्षी ज़िलों में टॉप-5 में बिहार के दो ज़िले 5
- न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन होंगे पटना हाइकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश 6
- बिहार में उत्कृष्ट खिलाड़ी सीधे बनेंगे ग्रेड वन ऑफिसर 6
- बिहार के 41वें राज्यपाल होगें राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर 7
- बिहार के 18 हवाई अड्डों पर बनेंगें दो-दो हेलीपैड 7
- बिहार के 41वें राज्यपल बने अरलेकर 7
- 25वें राष्ट्रीय लोकानुरंजन मेले की शुरुआत 7
- पटना का मरीन ड्राइव होगा विकसित 8
- मो. शम्स का चयन पैरा स्वीमिंग चैंपियनशिप के लिये 8
- आरडीपी अवॉर्ड से सम्मानित होंगे प्रदीप जैन 9
- अब बिहार में होगी फिल्म, एक्टिंग की पढ़ाई 9
- भागलपुर के 5 कृषक उत्पादक संगठन को मिला एक्सपोर्ट लाइसेंस 10
- बिहार के 500 थानों में एक साथ महिला हेल्प डेस्क की सुविधा शुरू 10
- 2024 में बिहार में होगा प्रयाग हिन्दी साहित्य सम्मेलन 11

नोट :

बिहार

पटना में होगा दक्षिण एशियाई महिला फिल्मोत्सव

चर्चा में क्यों ?

1 फरवरी, 2023 को बिहार की कला संस्कृति एवं युवा विभाग की सचिव वंदना प्रेयसी ने बताया कि बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम और साउथ एशिया ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में पहली बार पटना में दक्षिण एशियाई महिला फिल्मोत्सव का आयोजन 2 से 9 फरवरी तक किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- सचिव वंदना प्रेयसी ने बताया कि फिल्मोत्सव का उद्घाटन कला संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री जितेंद्र कुमार राय मगध महिला महाविद्यालय की छात्राओं के बीच करेंगे और निफ्ट पटना कैंपस में इसका समापन होगा।
- कला संस्कृति एवं युवा विभाग की ओर से आयोजित की जा रही इस सात दिवसीय दक्षिण एशिया महिला फिल्मोत्सव में पटना के चार शिक्षण संस्थानों में दक्षिण एशिया की फिल्में दिखाई जाएंगी। यहाँ फिल्मों के अलावा महिला सशक्तीकरण के विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा होगी।
- वंदना प्रेयसी ने बताया कि इसमें कुल छह फिल्में दिखाई जाएंगी। नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और भारत के फिल्मकारों की ये फिल्में स्त्री विमर्श के अनछुए पहलुओं पर फोकस करती हैं और दक्षिण एशिया में महिलाओं के प्रति विमर्श को प्रेरित करती हैं।
- फिल्मोत्सव के तहत दो फरवरी को मगध महिला महाविद्यालय, तीन एवं चार फरवरी को चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, छह एवं सात फरवरी को चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना और आठ एवं नौ फरवरी को निफ्ट पटना में फिल्मों का प्रदर्शन होगा।
- फिल्मोत्सव में ये फिल्में होंगी प्रदर्शित-
  - भारत की फिल्म 'सीता के बदलते रूप' और 'द सिटी दैट स्पोक टू मी'
  - श्रीलंका की 'फेस कवर'
  - नेपाल की 'बीफोर यू वेयर माय मदर' और 'फ्लेम्स ऑफ ए कंटीनॉयस फील्ड ऑफ टाइम'
  - बांग्लादेश की 'डिकोडिंग जेंडर'

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय होंगे बिहार हेल्थ यूनिवर्सिटी के नियंत्रण में

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार के स्वास्थ्य सचिव के सेंथिल कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलसचिव विमलेश कुमार झा ने बताया कि चिकित्सा विज्ञान क्षेत्र के सभी संस्थान 1 अप्रैल, 2023 से आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय से निकलकर पटना में नवस्थापित बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के नियंत्रण में चले जाएंगे।

प्रमुख बिंदु

- बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलसचिव विमलेश कुमार झा ने बताया कि आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय, डेंटल कॉलेज, सरकारी नर्सिंग संस्थान, फार्मेसी संस्थान और पारा मेडिकल संस्थानों को बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध किये जाएंगे। इस दिशा में तेजी से कार्रवाई की जा रही है।

नोट :

- उन्होंने बताया कि राज्य के चिकित्सा संस्थानों को बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध करने के पूर्व सभी आवश्यक तैयारियाँ कर ली जाएँ। इसमें मानव बल की कमी को पूरा कर लिया जाए, निबंधन और परीक्षा संचालित करने के लिये आवश्यक सॉफ्टवेयर इंस्टॉल कर लिया जाए।
- इस बैठक में बताया गया है कि स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय अगस्त 2021 से ही गजट अधिसूचना के साथ प्रभावी हो गया था।
- विदित है कि राज्य में 10 सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, 108 एएनएम, जीएनएम व बीएससी नर्सिंग स्कूल और 20 फार्मेसी संस्थान संचालित हैं।
- विमलेश कुमार झा ने बताया कि नये विश्वविद्यालय के पूरी तरह से कार्यरत होने के साथ ही राज्य में नये मेडिकल कॉलेज अस्पतालों, नर्सिंग स्कूलों, फार्मेसी संस्थानों और पैरा मेडिकल संस्थानों को मान्यता देने में आसानी होगी। साथ ही समय पर परीक्षाएँ संचालित होंगी, जिससे विद्यार्थियों को लाभ होगा।

नीतीश कुमार की बड़ी घोषणा, इस साल से मेडिकल व इंजीनियरिंग में छात्राओं के लिये एक तिहाई सीट होगी रिजर्व

चर्चा में क्यों ?

5 फरवरी, 2022 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (बीसीई)-एनआईटी पूर्ववर्ती छात्र समिति के वार्षिक मिलन समारोह में घोषणा की कि नये सत्र 2023 से राज्य के मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों की एक तिहाई सीटें लड़कियों के लिये आरक्षित रहेंगी।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई में लड़कियों के लिये कम से कम एक तिहाई सीटें आरक्षित कर दी गई हैं।
- उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 में बिहार पुलिस की बहाली में महिलाओं को 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया। बिहार में जितनी महिलाएँ पुलिस में हैं, उतनी दूसरे राज्यों में नहीं हैं। इसके अलावा बिहार की सभी सरकारी सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि एनआईटी पटना के विस्तार के लिये हर ज़िले में इंजीनियरिंग कॉलेज बनाए जा रहे हैं। बिहटा में 125 एकड़ ज़मीन दी गई है। निर्माणाधीन बिहटा कैंपस से सटे खाली पड़े 25 एकड़ का भूखंड और दिया जाएगा।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि 2004 में तत्कालीन अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली केंद्रीय सरकार ने बिहार कॉलेज आफ इंजीनियरिंग को एनआईटी का दर्जा दिया था। बिहार सरकार ने बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग का नामकरण बीसीई-एनआईटी करवाया था।

राज्य के पहले वानिकी कॉलेज का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

7 फरवरी, 2023 को देश का दूसरा व बिहार का पहला वानिकी कॉलेज (मुंगेर) का मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- यह वानिकी कॉलेज बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर (भागलपुर) के अधीन है।
- यह कॉलेज मुंगेर में गंगा पुल के पास 96 एकड़ में बन रहा है। तथा इस कॉलेज के निर्माण में लगभग 231 करोड़ 83 लाख 32 हजार की लागत आयी है।
- उल्लेखनीय है कि 25 दिसंबर, 2019 को मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने इस वानिकी कॉलेज का शिलान्यास किया था।

नोट :

प्रो. सुधा सिन्हा को मिला कबीर कोहिनूर सम्मान

चर्चा में क्यों ?

7 फरवरी, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार के पटना विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिका रही प्रो. सुधा सिन्हा को अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में अखिल भारतीय कबीर मठ, परंपरागत कबीर सदगुरू, कबीर आश्रम और कबीर समाधि स्थल, उत्तर प्रदेश की ओर से कबीर कोहिनूर सम्मान से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- ये सम्मान उन्हें उत्कृष्ट सामाजिक और साहित्य कार्यों में योगदान के लिये 5 फरवरी को दिया गया था।
- रिटायर्ड प्रो. सुधा सिन्हा कवयित्री हैं और ये अपनी रचनाओं के माध्यम से देश व समाज के मुद्दों को लगातार उठाती रहती हैं।
- प्रो. सुधा सिहा को इससे पहले देश रत्न सम्मान, दीनानाथ शरण सम्मान, अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मान, महादेवी वर्मा सम्मान, अमृताप्रीतम सम्मान आदि मिल चुके हैं।

देश के 112 आकांक्षी ज़िलों में टॉप-5 में बिहार के दो ज़िले

चर्चा में क्यों ?

8 फरवरी, 2023 को नीति आयोग ने देश के अल्प विकसित 112 आकांक्षी ज़िलों के लिये 'चैंपियन ऑफ चेंज डेल्टा रैंकिंग' जारी की है, जिसमें कृषि और जल संसाधन के क्षेत्र में देश के पाँच सर्वश्रेष्ठ आकांक्षी ज़िलों में बिहार के दो ज़िले बांका पहले स्थान और कटिहार दूसरे स्थान पर है।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि नीति आयोग द्वारा आकांक्षी ज़िलों के बीच प्रतिस्पर्धा करने के लिये यह रिपोर्ट जारी की जाती है।
- ज्ञातव्य है कि वर्ष 2018 में प्रारंभ आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम में बिहार के 13 ज़िले-कटिहार, बेगूसराय, शेखपुरा, अररिया, खगड़िया, पूर्णिया, औरंगाबाद, बांका, गया, जमुई, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी और नवादा शामिल थे।
- केंद्र की इस घोषणा से बिहार के इन 13 ज़िलों के प्रखंडों में विशेष सहायता मिलती है। इन ज़िलों में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, जलसंसाधन, वित्तीय स्थिति और आधारभूत अवसंरचना जैसे प्रमुख क्षेत्रों को विकसित करने पर ध्यान दिया जाता है।
- शिक्षा क्षेत्र के लिये मुख्य रूप से स्कूल में पढ़ाई और लाइब्रेरी की सुविधा, स्कूलों में आधारभूत संरचना, जिसमें टॉयलेट व पेयजल आदि मुख्य हैं।
- उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने देश में 500 आकांक्षी प्रखंडों की घोषणा की है जिसमें 61 आकांक्षी प्रखंड बिहार के भी हैं। केंद्र सरकार, राज्य सरकार की मदद से विशेष कार्यक्रम चलाएगी। इन प्रखंडों का चयन केंद्र के आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत किया गया है। विकास के कई पैमानों पर पिछड़े इन प्रखंडों को विकसित प्रखंडों की श्रेणी में लाने का प्रयास किया जाएगा।
- शुरुआती दौर में इन प्रखंडों में स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन और कौशल विकास जैसे इंडिकेटर पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इन ज़िलों के लिये केंद्र से अतिरिक्त फंड का भी प्रबंधन किया जाएगा। प्रखंडों की रैंकिंग की जाएगी ताकि उनमें आगे बढ़ने की प्रतिस्पर्धा बढ़ सके।
- राज्य के 13 आकांक्षी ज़िलों (एडी) के भी प्रखंडों का चयन इसी कार्यक्रम के तहत किया गया है। ज़िलों में भागलपुर और कैमूर ज़िलों के सर्वाधिक 5-5 करके 10 प्रखंड, बेगूसराय के 4, मुंगेर के 4, जमुई के 4, औरंगाबाद और गया के 4-4 प्रखंड हैं। वहीं भोजपुर, कटिहार और बांका के तीन-तीन प्रखंडों के नाम शामिल हैं।

नोट :

न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन होंगे पटना हाइकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

चर्चा में क्यों ?

8 फरवरी 2023 को सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने केरल हाइकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन को पटना हाइकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने के लिये अपनी अनुशंसा की है।

प्रमुख बिंदु

- सुप्रीम कोर्ट अपनी अनुशंसा केंद्र सरकार को भेजेगा। केंद्र सरकार और राष्ट्रपति की सहमति के बाद के. विनोद चंद्रन को पटना हाइकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने की अधिसूचना जारी होगी।
- विदित है कि पटना हाइकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजय करोल को सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किये जाने के बाद से पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का पद रिक्त था। वर्तमान में पटना हाइकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश चक्रधारी शरण सिंह को पटना हाइकोर्ट का कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश बनाया गया है।
- सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने इससे पहले न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन को गुवाहाटी हाईकोर्ट का मुख्य न्यायधीश बनाने की सिफारिश की थी। लेकिन फिर कॉलेजियम ने अधिक रिक्तियों और मुख्य न्यायधीशों के सुप्रीम कोर्ट में प्रमोशन को ध्यान में रखते हुए अपनी सिफारिश को वापस ले लिया था।
- इसके बाद जस्टिस के. विनोद चंद्रन को पटना हाईकोर्ट का मुख्य नयायधीश बनाया गया। के. विनोद चंद्रन 24 अप्रैल 2025 को रिटायर होने वाले हैं।
- गौरतलब है कि 13 दिसंबर, 2022 को सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने देश के विभिन्न कोर्ट से तीन चीफ जस्टिस और दो जस्टिस के नाम की सिफारिश सुप्रीम कोर्ट के जज के लिये की थी। इसमें पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कारोल और जस्टिस अहसानूद्दीन अमानुल्लाह का नाम भी शामिल था।

बिहार में उत्कृष्ट खिलाड़ी सीधे बनेंगे ग्रेड वन ऑफिसर

चर्चा में क्यों ?

9 फरवरी, 2023 को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में नेशनल इंटर डिस्ट्रिक्ट जूनियर एथेलिटिक्स मीट का उदघाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सीधे ग्रेड वन ऑफिसर बनाए जाने की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बताया कि खिलाड़ियों को अभी तक ग्रेड 3 में नौकरी दी जा रही थी, लेकिन बिहार सरकार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतने वाले राज्य के खिलाड़ियों को एसडीएम, डीएसपी या समकक्ष पद पर सीधे नौकरी देगी।
- इससे राज्य में खेल के प्रति युवाओं का आकर्षण बढ़ेगा और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी उभरेंगे। अभी तक सरकार खेल कोटे से राज्य के 235 खिलाड़ियों को नौकरी दे चुकी है।
- गौरतलब है कि खिलाड़ी और प्रशिक्षक के लिये हर वर्ष खेल सम्मान कार्यक्रम होता है, जिसमें अच्छे खिलाड़ी व प्रशिक्षक सम्मानित होते हैं अभी तक 226 लोगों को सम्मानित किया जा चुका है।
- विदित है कि नेशनल स्ट्रिक्ट जूनियर एथलेटिक्स मीट (निजम) विश्व का सबसे बड़ा खेल प्रतिभा खोज कार्यक्रम है। बिहार में इसका आयोजन पहली बार किया जा रहा है। इस खेल समागम में देश के छह सौ ज़िलों के छह हज़ार एथलीट भाग ले रहे हैं जिसमें बिहार की छह सौ प्रतिभागी शामिल हैं।

नोट :

बिहार के 41वें राज्यपाल होगें राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर

चर्चा में क्यों ?

12 फरवरी, 2023 को राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- 68 वर्षीय राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर गोवा और बिहार के राज्यपाल बनाए जाने से पहले हिमाचल प्रदेश के राजयपाल थे।
- वहीं बिहार के 40वें राज्यपाल फागू चौहान को अब मेघालय का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
- राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर मूल रूप से गोवा के रहने वाले हैं। वे साल 2002 से 2007 तक गोवा में बीजेपी के विधायक रहे हैं, वहीं वर्ष 2012 से 2015 तक वे गोवा विधानसभा के भी स्पीकर थे। इस कार्यकाल में उन्होंने गोवा विधानसभा के कागज मुक्त बनाया।

बिहार के 18 हवाई अड्डों पर बनेंगें दो-दो हेलीपैड

चर्चा में क्यों ?

14 फरवरी, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार में राज्य सरकार के स्वामित्व वाले सभी 18 हवाई अड्डों पर दो-दो हेलीपैड बनेंगे।

प्रमुख बिंदु

- राज्य सरकार से मिले निर्देश के तहत भवन निर्माण विभाग ने यहाँ हेलीपैड निर्माण के लिये प्राक्कलन बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।
- राज्य सरकार के अधीन वाले हवाई अड्डों में बेगूसराय, भागलपुर, सुपौल, सारण, डेहरी-ऑन-सोन (रोहतास), किशनगंज, मधुबनी, मुंगेर, पूर्णिया, सहरसा, वाल्मीकिनगर (पं. चंपारण), भभुआ (कैमूर), बिहारशरीफ (नालंदा), बक्सर, आरा (भोजपुर), मोतिहारी (पू. चंपारण), कटिहार का सूरत-ए-हाल बदलने के लिये हेलीपैड निर्माण के साथ ही विकास के कई और काम किये जाएंगे।
- गौरतलब है कि बिहार में तीन हवाई अड्डों से उड़ान संचालित होती हैं जिसमें पटना, गया और दरभंगा शामिल हैं।

बिहार के 41वें राज्यपल बने अरलेकर

चर्चा में क्यों ?

17 फरवरी, 2023 को राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकर ने बिहार के 41वें राज्यपाल के रूप में पद की शपथ ली। उन्होंने राज्यपाल फागू चौहान का स्थान लिया।

प्रमुख बिंदु

- पटना उच्च न्यायालय के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति चक्रधारी शरण सिंह ने उन्हें शपथ दिलाई।
- विदित है कि 12 फरवरी, 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बिहार समेत 13 राज्यों के राज्यपालों की नियुक्ति की थी।
- उल्लेखनीय है कि नए राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकर इससे पहले हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल थे। वे गोवा में विधायक, मंत्री, और विधानसभा अध्यक्ष की ज़िम्मेदारी भी निभा चुके हैं।

25वें राष्ट्रीय लोकानुरंजन मेले की शुरुआत

चर्चा में क्यों ?

18 फरवरी, 2023 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शेर-ए-राजस्थान जयनारायण व्यास की जयंती पर प्रदेश के जोधपुर ज़िले के अशोक उद्यान में राजस्थान संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित 25 वें लोकानुरंजन मेले का उद्घाटन किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य के मशहूर कलाविदों, लोक कलाकारों, साहित्यिक विभूतियों का जिक्र करते हुए सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण में उनकी अतुलनीय भूमिका की सराहना की।
- उन्होंने बताया कि राज्य सरकार लोक कलाकारों के कल्याण के लिये कार्य कर रही है। इसी दिशा में कलाकारों के लिये 100 करोड़ की धनराशि का प्रावधान किया गया है एवं इन कलाकारों को 100 दिन का कार्य उपलब्ध करवाकर मानदेय दिया जा रहा है।
- मुख्यमंत्री ने मशहूर कलाकारों और कला जगत के उत्थान के लिये समर्पित विभूतियों का स्मरण करते हुए बताया कि सरकार द्वारा इनके नाम से घोषित पुरस्कारों के लिये जोधपुर में फेस्टिवल आयोजित कर साहित्य पुरस्कार प्रदान किये जाएंगे।
- उन्होंने कलाकारों को मारवाड़ और राजस्थान की थाती बताया, इनके माध्यम से आने वाली पीढ़ियों को लोक संस्कृति व परंपराओं के बारे में जानने-समझने तथा सीखने के अवसर मिलते हैं।
- मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में अकादमी की त्रैमासिक पत्रिका 'रंगयोग' के 29वें अंक का विमोचन भी किया।

पटना का मरीन ड्राइव होगा विकसित

चर्चा में क्यों ?

19 फरवरी, 2023 को बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने पटना में हुई समीक्षा बैठक में बताया कि राज्य सरकार पटना में गंगा किनारे बने मरीन ड्राइव को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विकसित करेगी।

प्रमुख बिंदु

- बैठक में डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने बताया कि गंगा किनारे बने मरीन ड्राइव में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कई ऐसी सुविधाएँ होंगी, जिसका लुत्फ यहाँ पहुँचने वाले लोग बड़े आनंद के साथ उठा सकेंगे।
- उन्होंने बताया कि सरकार गंगा रिवर फ्रंट पर स्टेडियम, मॉल, कल्चरल व रिक्रिएशनल सेंटर, म्यूजियम, पार्किंग, पार्क, वाटर स्पोर्टस एक्टिविटी तथा साइकिलिंग ट्रैक का निर्माण कराएगी। इन सुविधायों के विकसित हो जाने के बाद राज्य के लोगों को वाटर स्पोर्टस का लुफ्त लेने के लिये गोवा और अंडमान नहीं जाना पड़ेगा।
- मरीन ड्राइव के लिये बनी विकास की योजना पथ निर्माण नगर विकास व आवास और पर्यटन विभाग की हो सकती है। इसमें दो बड़े स्टेडियम भी बनाए जा सकते हैं, जिनमें से एक क्रिकेट और एक फुटबॉल का हो सकता है।
- तेजस्वी यादव ने बताया कि छुट्टियों के दिन यहाँ इतनी भीड़ उमड़ती है कि मेला-सा नज़ारा रहता है। लोगों की इसी बढ़ती भीड़ को देखते हुए आने वाले दिनों में यहाँ पर्यटकीय सुविधाओं का विकास किये जाने की योजना है।
- शुरु में पार्किंग प्लेस और कई जगहों पर सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे। इसके साथ राजधानी रिवर फ्रंट डेवेलपमेंट परियोजना के तहत शहर में 20 घाटों के निर्माण की योजना भी थी। इनमें से 16 को पूरा कर लिया गया है।
- उन्होंने बताया कि दीघा से दीदारगंज तक बन रहे गंगा पथ की कुल लंबाई5 किमी. है। इसका पहला चरण दीघा से पीएमसीएच तक पूरा हो चुका है। यह भाग 7.4 किमी. लंबा है, जिसमें से 6.5 किमी. सड़क का निर्माण बांध बनाकर किया गया है।
- विदित है कि 2011 में गंगा पथ बनाने का प्रस्ताव सरकार ने पास किया था, जिसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2013 में इसका शिलान्यास किया था।

मो. शम्स का चयन पैरा स्वीमिंग चैंपियनशिप के लिये

चर्चा में क्यों ?

21 फरवरी, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार के मधुबनी ज़िले के पैरा स्वीमर मो. शम्स आलम का चयन पैरा स्वीमिंग वर्ल्ड सीरीज़ चैंपियनशिप के लिये किया गया है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इंग्लैंड के शेफील्ड में 16 से 19 मार्च, 2023 तक आयोजित होने वाली पैरा स्वीमिंग चैंपियनशिप के लिये भारतीय पैरा स्वीमिंग टीम में पैरा स्वीमर मो. शम्स आलम का चयन किया गया है।
- गौरतलब है कि 11-13 नवंबर, 2022 को गुवाहटी के डॉ. जाकिर हुसैन जलीय परिसर में आयोजित राष्ट्रीय पैरा स्वीमिंग चैंपियनशिप में मो. शम्स आलम दो स्वर्ण और एक काँस्य पदक जीत चुके हैं।
- मो. शम्स आलम जून 2022 में पैरा स्वीमिंग चैंपियनशिप में 4 मिनट, 39.71 सेकेंड में 200 मीटर की दौड़ पूरी कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए छठे स्थान पर रहे थे।
- इन्हें वर्ष 2021 में नेशनल बेस्ट स्पोर्ट्स पर्सन अवॉर्ड भी मिल चुका है।

आरडीपी अवॉर्ड से सम्मानित होंगे प्रदीप जैन

चर्चा में क्यों ?

23 फरवरी, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार पटना के प्रदीप जैन को विशिष्ट डाक टिकट संग्रहकर्त्ता अवॉर्ड आरडीपी से सम्मानित किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- डाक टिकट संग्रहकर्त्ताओं की दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित संस्था लंदन की रॉयल सोसाइटी ने इस अवॉर्ड की घोषणा की है।
- प्रदीप जैन को आरडीपी अवॉर्ड 26 मई को जर्मनी के एसेन शहर में आयोजित कार्यक्रम में दिया जाएगा।
- ध्यातव्य है कि आज़ादी के बाद भारत से सिर्फ तीन लोगों को यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है, जिसमें 1983 में डीएन जटिया व 1993 में ब्रिगेडियर डीएम विर्क शामिल हैं, जबकि 30 वर्ष बाद यह पुरस्कार प्रदीप जैन को मिलेगा।
- रॉयल फिलाटेलिक सोसाइटी की स्थापना 1921 में किंग जॉर्ज पंचम ने की थी तथा इस संस्था में 2360 सदस्य हैं। अभी तक इस संस्था से सिर्फ 400 लोगों को आरडीपी अवॉर्ड मिला है।

अब बिहार में होगी फिल्म, एक्टिंग की पढ़ाई

चर्चा में क्यों ?

24 फरवरी, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार में अब फिल्म, एक्टिंग से लेकर प्रोडक्शन तक की पढ़ाई शुरू होने जा रही है। इसके लिये भारत के सर्वश्रेष्ट फिल्म एक्टिंग स्कूल से करार किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया बिहार के युवाओं को एक्टिंग, डायरेक्शन, स्क्रिप्ट राइटिंग, एडिटिंग साउंड रिकॉर्डिंग, साउंड डिजाइन, आर्ट डायरेक्शन, प्रोडक्शन डिजाइन, एक्टिंग, डांसिंग के साथ साथ फिल्म से जुड़े अन्य ट्रेनिंग का कोर्स चलाएगा।
- इसके लिये आर्यभट्ट यूनिवर्सिटी, बिहार फिल्म विकास निगम और पुणे एफटीआईआई के बीच अप्रैल माह में समझौता होने की उम्मीद है।
- कला-संस्कृति विभाग के अधिकारी के अनुसार बिहार में फिल्म मेकिंग के कई कोर्स शुरू किये जाएंगे। जहाँ एक कोर्स में करीब 40 सीट हो सकती है, लेकिन अभी सीटों की संख्या तय नहीं है। यह घट-बढ़ सकती है।
- उन्होंने बताया कि पहले स्टूडेंट यह तय करेंगे कि वे कौन से कोर्स करना चाहते हैं। उसी के मुताबिक एडमिशन किया जाएगा। यहाँ ट्रेनिंग लेने वाले लोगों को बिहार में बनने वाली फिल्मों में काम करने के लिये पहले मौका मिलेगा।
- अधिकारी ने बताया कि करार होने के बाद आर्यभट्ट यूनिवर्सिटी की ओर से फिल्म निर्माण से संबंधित कोर्स की ट्रेनिंग देने के लिये पुणे और मुंबई के नामी टीचर्स और कलाकार बिहार आएंगे, विशेष रूप से बिहार के नामी कलाकारों को प्रशिक्षण शिविर और सेमिनार में बुलाया जाएगा।

नोट :

- इसमें प्रकाश झा, शत्रुघ्न सिन्हा, पंकज त्रिपाठी, मनोज वाजपेयी, नीतू चंद्रा आदि के साथ अन्य कलाकारों की लिस्ट भी तैयार की जा रही है।
- उल्लेखनीय है कि बिहार सरकार बहुत जल्द अपनी फिल्म पॉलिसी लांच करने वाली है।

भागलपुर के 5 कृषक उत्पादक संगठन को मिला एक्सपोर्ट लाइसेंस

चर्चा में क्यों ?

26 फरवरी, 2023 को आत्मा (Agriculture Technology Management Agency) के उप-परियोजना निदेशक प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से भागलपुर के पाँच कृषक उत्पादक संगठन को एक्सपोर्ट लाइसेंस मिला है।

प्रमुख बिंदु

- आत्मा के उप-परियोजना निदेशक प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि पहली बार यहां के किसान उत्पादक संगठन को यह लाइसेंस मिला है। इससे एक ओर जहाँ यहाँ के प्रोडक्ट को सीधे निर्यात किया जा सकेगा और वहीं अब उनको ग्लोबल मार्केट मिलेगा। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी।
- प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि इससे पहले एपिडा के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों के एक्सपोर्टर का सहारा लेना पड़ता था। अब किसानों की ओर से किसी भी प्रकार के उत्पाद का निर्यात किया जा सकता है और यहाँ से व्यापार कर सकते हैं।
- गौरतलब है कि भागलपुर का कतरनी चावल-चूड़ा और जर्दालू आम को जीआई टैग (ज्योग्राफिकल इंडिकेशन टैग) मिला है। कतरनी चावल, चूड़ा और जर्दालू आम भागलपुर की पहचान है। इसकी डिमांड देश व विदेश में काफी है। किसानों के बीच इसके उत्पादन को बढ़ावा मिल रहा है। केवल मार्केट की ज़रूरत थी, जो कि एक्सपोर्ट लाइसेंस प्राप्त होने के बाद मिलने लगेगा।
- इसके अलावा भागलपुर में स्ट्राबेरी, मशरूम, ड्रैगन फ्रूट, सेब, जुकुनी, विदेशी पपीता आदि की खेती बढ़ने लगी है। ग्लोबल मार्केट मिलने पर यहाँ के उत्पादों का निर्यात होगा तो किसानों को मुँहमांगा लाभ मिलेगा।
- इन कृषक उत्पादक संगठन को मिला लाइसेंस-
  - ट्रांसपेरेंट एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, गोराडीह
  - एग्रो प्वाइंट एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटैड, पीरपैंती
  - ब्रसनिक एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, बिहपुर
  - अंग प्रदेश उत्थान एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड
  - सरस बसुधा एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, गोपालपुर
- विदित है कि किसान आत्मा योजना (ATMA Yojana) का पूरा नाम Agriculture Technology Management Agency है। ये स्कीम उन किसानों के लिये है जो आज भी आधुनिक खेती से होने वाले फायदे से दूर हैं।
- इस स्कीम के तहत किसानों को आधुनिक यंत्रों की ट्रेनिंग दी जाती है। इसके साथ ही किसानों को इस बात की भी जानकारी दी जाती है कि कैसे आधुनिक यंत्र के इस्तेमाल से खेती करके अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता हैं।

बिहार के 500 थानों में एक साथ महिला हेल्प डेस्क की सुविधा शुरू

चर्चा में क्यों ?

26 फरवरी, 2023 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के 500 थानों में एक साथ महिला हेल्प डेस्क की सुविधा शुरू की। इसके साथ ही उन्होंने बिहार पुलिस का अपडेटेड वेबसाइट और सोशल मीडिया सेंटर का उद्घाटन भी किया।

प्रमुख बिंदु

- इन महिला हेल्प डेस्क को महिला पुलिस पदाधिकारी व महिला कर्मियों द्वारा ही संचालित किया जाएगा ताकि पीड़िताएँ आसानी से अपनी बात रख सकें। प्रथम चरण में 500 थानों में यह व्यवस्था की गई है।

नोट :

- अधिकारियों ने बताया कि बिहार पुलिस का नया वेबसाइट यूजर फ्रेंडली होगा। स्क्रीन रीडर की सुविधा होने से दृष्टिहीन भी इसके कंटेट को सुन सकते हैं।
- इस वेबसाइट में सिटीजन सर्विस होने से आम व्यक्ति प्राथमिकी, गुमशुदा व्यक्तियों आदि के संबंध में जानकारी ले सकेंगे। इसमें ज़िलों के तमाम पुलिस अधिकारियों के नंबर भी उपलब्ध रहेंगे।
- सोशल मीडिया केंद्र के शुभारंभ का उद्देश्य आम लोगों को यथाशीघ्र सही और सटीक जानकारी उपलब्ध कराना है, ताकि भ्रामक खबरों का खंडन हो सके। यह हफ्ते में सात दिन और लगातार 24 घंटे काम करेगा।

2024 में बिहार में होगा प्रयाग हिन्दी साहित्य सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

25-26 फरवरी को सेवाग्राम, वर्धा में आयोजित सम्मेलन के 74वें राष्ट्रीय अधिवेशन में फैसला लिया गया कि 2024 में बिहार में प्रयाग हिन्दी साहित्य सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- प्रयाग हिन्दी साहित्य सम्मेलन का अमृत महोत्सव (75वाँ) राष्ट्रीय अधिवेशन, मार्च 2024 में बिहार में आयोजित किया जाएगा।
- इस सम्मेलन के आयोजन के लिये स्थायी समिति के सदस्य और बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने अनुरोध किया था।
- ध्यातव्य है कि हिन्दी साहित्य सम्मेलन की स्थापना 1910 ई. में नागरी प्रचारिणी सभा के तत्वावधान में हुई थी। इसका मुख्यालय प्रयागराज में है, जिसमें छापाखाना, पुस्तकालय, संग्रहालय एवं प्रशासनिक भवन हैं।

The Vision

नोट :